होरा

सर्वकार्य सिद्धि के लिए होरा मुहूर्त श्रेयस्कर है। होरा मुहूर्त के अनुसार कार्यारम्भ करके प्रत्येक मनुष्य अशुभ समय में से होरा के अनुसार अपना कार्य सिद्ध कर सकता है। सात ग्रहों के सात होरे हैं।

सूर्य की होरा :- टेंडर देने व नौकरी व राजकार्य के चार्ज लेने- देने के लिए अच्छी होती है।

चन्द्र की होरा :- सब कार्य के लिए अच्छी होती है।

मंगल की होरा :- युद्ध, यात्रा, कर्ज देने, सभा-सोसाइटी में आना-जाना और मुकदमा के कार्यों में अच्छी होती है।

बुध की होरा :- में विद्यारम्भ, कोष संग्रह करना, नवीन व्यापार, नवीन लेख, पुस्तक प्रकाशन, प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने के लिए अच्छी होती है।

गुरु की होरा :- विवाह सम्बन्धी कार्यक्रम, बड़ों से मिलना, कोषसंग्रह, नवीन काव्य लेखन आदि के लिए शुभ हैं।

शुक्र की होरा :- यात्रा, भूषण, नवीन वस्त्र धारण, प्रवास, सौभाग्यवर्धक कार्य के लिए शुभ है।

शनि की होरा :- भूमि, मकान की नींव, नूतन गृहारम्भ, मशीनरी, मिल्स कार्यारम्भ समस्त स्थिर कार्य शुभ होते हैं।

प्रत्येक होरा १ घण्टे का होता है। जिस दिन जो 'वार' होता है, उस वार के आरम्भ (अर्थात सूर्योदय के समय) से १ घण्टे तक उसी वार को होरा रहता है। इसके बाद १ घण्टे का दूसरा होरा उस वार से छठे वार का होता है। इसी प्रकार दूसरे होरे के वार से छठे वार का होरा तीसरे घण्टे तक रहता है। इस क्रम से २४ घण्टे में २४ होरे बीतने पर अगले वार के सूर्योदय समय उसी (अगले) वार का होरा आ जाता है। जिस कार्य की सिद्धि के लिए ऊपर जो होरा उपयुक्त लिखी है, उसके अनुसार ही उस होरा में (१ घण्टे) में वह कार्य करेंगे तो अवश्य सफलता मिलेगी। ऋषियों ने होरा को 'क्षणवार' कहा है। वार से भी क्षण वार में प्रधानता मानी गई है। इसलिए यदि वार और 'क्षणवार' दोनों अनुकूल हों, तभी किसी कार्य को करना चाहिए। आवश्यकता में, यदि वार अनुकूल नहीं हो तो 'क्षणवार' अर्थात होरा की अनुकूलता के अनुसार करना चाहिए। जैसे-पश्चिम की यात्रा रविवार में करने की आवश्यकता हो तो वार के अनुसार दिक्शूल पड़ेगा। इसलिए जिस समय सोम की होरा (क्षणवार) हो उस समय रविवार में पश्चिम की यात्रा की जा सकती है।

होरा

वार	१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४
सूर्य	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु
चन्द्र	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु
मंगल	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु
बुध	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श
गुरु	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र
शुक्र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो
शनि	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं	र	शु	बु	सो	श	गु	मं

चक्र के अनुसार रविवार को सोम की होरा सूर्योदय समय से १, ४, १८ घण्टे बाद के एक-एक घण्टे तक आप सोम की होरा में जा सकते हैं। इसी प्रकार अन्य दिनों के होराओं के विषय में भी समझ लें।